श्री शरद यादवः भयानक शांति है। इतनी विकट परिस्थियां कभी नहीं हुई और इस सवाल पर पूरे देश में भयानक तरीके से शांति है। इस पर बहस हुई थी, आपने कराई थी। पेलेट गन के बारे में सभी लोगों ने बार-बार कहा था और इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई है कि इसका कैसे इस्तमाल करें। महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इतनी भयानक शांति ...**(व्यवधान)**...

प्रो. राम गोपाल यादवः शांति नहीं, अशांति।

श्री शरद यादवः इसके लिए भयानक शांति ही ठीक है। इस मामले में गृह मंत्री जी ने उस समय सिर्फ एक बार बात की थी। मैं आपके माध्यम से कहूंगा कि इस सवाल पर कल बहस करने का काम होना चाहिए और अगर कोई इस पर बोल सकता है, तो वे देश के प्रधान मंत्री हैं, इसलिए कल की बहस के बारे में प्रधान मंत्री जी को भी बोलना चाहिए। लीडर ऑफ दि अपोजिशन गुलाम नबी जी ने कहा, ऐसी शांति और इतनी विकट समस्या पर सरकार की तरफ से जो चुप्पी है, वह बहुत ही तकलीफ पहुंचाती है, इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इस पर सरकार को तत्काल तैयार होकर बहस करानी चाहिए। यदि आज बहस हो जाए, तो ज्यादा अच्छा होगा। यदि आज नहीं तो कल इस पर जरूर बहस हो जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Anyhow, the Government has expressed its readiness for discussion at the earliest, and, I think, latest by tomorrow. Therefore, we can discuss it later on.

Need to amend the regulations regarding MPLAD Scheme

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा)**:** सर, मैं आपके माध्यम से MPLADS स्कीम के संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। 1993 में आरंभ की गई इस स्कीम के अंतर्गत सांसद को अपने क्षेत्र के विकास के लिए 5 करोड़ रुपए की राशि दी जाती है, किन्तु विडम्बना यह है कि MPLADS स्कीम की गाइडलाइन्स के अनुसार सांसद इस राशि को केवल durable community assets के निर्माण के लिए ही जारी कर सकता है। पहले से निर्मित किए गए इन assets की रिपेयर के लिए जारी करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके कारण रख-रखाव की कमी के कारण, बहुत से महत्वपूर्ण assets चार या पांच वर्षों के बाद अनुकूल उपयोग के लायक नहीं रहते। उदाहरण के तौर पर मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा में SC, ST व OBC की चौपालें हैं। इनके रख-रखाव की कमी के कारण आज ये सभी जर्जर अवस्था में पहुंच गई हैं। सांसद जब दौरे पर जाता है, तो इस समुदाय के लोग MP से इनकी रिपेयर के लिए राशि की मांग करते हैं और MP वह राशि नहीं दे पाता है। जब वे लोग पूछते हैं कि आप क्यों नहीं दे सकते, तो हम कहते हैं कि इसके लिए नियम नहीं हैं। इसके बाद वे कहते हैं कि जब आप कानून बना सकते हैं, तो इसके लिए नियम क्यों नहीं बना सकते? सर, ऐसी परिस्थिति में हमारी स्थिति बड़ी दयनीय हो जाती है और हम असहाय महसूस करते हैं।

अतः सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि MPLAD स्कीम के अंतर्गत कुछ निश्चित सीमा तक इन assets की रिपेयर व रेनोवेशन हेतु भी कुछ निधि देने का प्रावधान हो जाए, तो पहले से निर्मित community assets का ज्यादा अनुकूलतम उपयोग हो सकेगा, जो जनता के हित में भी होगा, धन्यवाद।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं।

†**چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش):** مہودے، مانئے سدسئے نے جو موضوع اٹھایا ہے، میں اپنے آپ کو اس سے سمبدّھ کرتا ہوں۔

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं।

Death of cows in a cow shelter at Jaipur

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, राजस्थान के जयपुर में हिगौनिया गौशाला में राजस्थान सरकार और नगर निगम की लापरवाही से दो, चार, दस, बीस नहीं बल्कि एक हजार गायें मार डाली गई हैं। मैं यह आरोप लगा रहा हूं कि एक हजार गायें मार डाली गई हैं।

मान्यवर, प्रति दिन 40 गायें मर रही हैं। अब तक 200 से अधिक और गायों की हालत चिन्ताजनक है। प्रधान मंत्री जी कह रहे हैं कि फर्जी गौरक्षकों के खिलाफ कार्यवाही हो। मैं प्रधान मंत्री जी की मदद करना चाहता हूं। वे फर्जी गौरक्षक ढूंढ रहे हैं, मैं उन्हें सीधे-सीधे गौमाता के कातिलों का पता बता रहा हूं। फिर क्यों नहीं वे राजस्थान सरकार के खिलाफ कार्यवाही करते? वे तो गऊ के हत्यारे हैं, जिन्होंने 1000 गायें मारी हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही होने में क्यों संकोच हो रहा है? मैं मुलज़िमों का पता बता रहा हूं। उन्हें कार्यवाही करने में क्या दिक्कत हो रही है? वहां 8000 से अधिक गायें हैं। वहां 5 फीट से ज्यादा दलदल है। वहां के जो हालात तमाम टीवी चैनल्स पर दिखाए जा रहे हैं, उनको देखकर लगता है कि हमें कहीं ढूंढ़ने की जरूरत नहीं है। हमारे सामने जो लोग बैठे हुए हैं, आप सुनियोजित ढंग से गायों की हत्या कर रहे हैं। मैं आप पर सीधा आरोप लगाता हूं कि आप इन गायों की हत्या के लिए, बल्कि मैं कहूंगा कि गौ माता की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं।

महोदय, पैसा न हो, तो बात समझ में आती है। इन्हें कई करोड़ रुपए हर साल अनुदान दिया जाता है। यह अनुदान भारतीय जनता पार्टी के जुड़े हुए निगम के अध्यक्ष कहां डकार जाते हैं? आपकी ये आदत कब छूटेगी? आप मंदिर के नाम पर चंदा वसूलते हो, उसे डकार जाते हो, गाय के नाम पर, गौ माता के नाम पर चंदा वसूलते हो, उसे डकार जाते हो। मैं तो प्रधान मंत्री जी की मदद करते हुए एक बात बहुत स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं। महोदय, मेरे पास कुछ कटिंग्स हैं, इन में दिया है कि किस तरह से सुनियोजित ढंग से ये गायें मारी जा रही हैं, गौ माता की हत्या की जा रही है। सब से ज्यादा दुःखद बात यह है कि ये कहते तो हैं, जब वोटों की चिंता होती है, तो प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि गोली मुझे मार लो, लेकिन जब हमारे अल्पसंख्यक भाई, जम्मू में मारे जाते हैं, रांची में मारे जाते हैं, तब इन्हें चिंता नहीं होती है। ये तो गुजरात गले में फंसा हुआ है, इसलिए थोड़ी सी चिंता हो रही है, वरना तो उसकी भी चिंता नहीं थी। वह भी आपका दिखावा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से एक जुमले के साथ अपनी बात कहना चाहता हूं कि, "फर्जी गौरक्षक मत ढूंढ़ो, नाम पते के साथ कातिल बता रहा हूं। अगर गौमाता को मानते हो...

† Transliteration in Urdu script.